No. of Printed Pages : 3

BSKC–131

बी. ए. (सामान्य) (संस्कृत)

(बी.ए.जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एस.के.सी.-131 : संस्कृत पद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। दिये गये निर्देशों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड-क

(व्याख्यात्मक प्रश्न)

1. अधोलिखित श्लोकों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×15=45

(क) वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये।
जगत: पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ।।

अथवा

रो ना परिच्छदस्तस्य द्वयमेवार्थसाधनम्।
शास्त्रेष्वकुण्ठिता बुद्धिमौर्वी धानुषि चातता।।

(ख) तृप्तियोगः महिम्ना न महात्मनाम्।

पूर्णश्चन्द्रोदयाकाङ्क्षी दृष्टान्तोऽत्र महार्णवः।।

अथवा

पादाहतं यदुत्थाय मूर्धानमधिरोहति।

स्वस्थादेवापमानेऽपि देहिनस्तद्वरं रजः।।

(ग) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन्,

पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः।

कदाचिदपि पर्यटन् शशविषाणमासाहयेत्,

न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत्।।

अथवा

साहित्यसङ्गीतकलाविहीनस्साक्षात्पशुः

पुच्छविषाणहीनः।

तृणं न खादन् अपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं

पशुनाम्।।

खण्ड-ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : *निम्नलिखित में से प्रत्येक के उत्तर लगभग* **1000** *शब्दों में लिखिए।* $2\times15=30$

2. खण्डकाव्य का लक्षण देते हुए उसके उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भर्तृहरि के जीवनवृत्त और कर्तृत्व को समझाइए।

3. 'रघुवंशम्' के कोई **तीन** श्लोक लिखकर उसकी विशेषता का वर्णन कीजिए।

अथवा

कालिदास के जीवनवृत्त और कर्तृत्व को समझाइये।

खण्ड–ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

$5 \times 5 = 25$

4. 'नीतिशतकम्' की विषय–वस्तु का वर्णन कीजिए।
5. शिशुपाल का चरित्र–चित्रण कीजिए।
6. जयदेव के व्यक्तित्व और कर्तृत्व का वर्णन कीजिए।
7. 'रघुवंशम्' के प्रथम सर्ग का सार लिखिए।
8. खण्डकाव्य पर प्रकाश डालिए।
9. नारद का चरित्र–चित्रण कीजिए।
10. 'शिशुपालवधम्' के द्वितीय सर्ग का सार लिखिए।

× × × × ×